टोपी शुक्ला

प्रश्न:-1 इफ्फन टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है ?

उत्तर:-1 इफ्फनऔर टोपी कहानीके मुख्य पात्र है । दोनों में गहरी दोस्ती है मित्रता भी ऐसी कि दोनो एक - दूसरे के दर्द को बहुत अच्छी तरह समझते है दोपी का इफ्फन के साथ इतना गहरा रिशता बन गया था कि इफ्फन के जाने बाद टोपी उदास रहने लगा था इफ्फन के घर से टोपीको जितना प्यार मिला था उतना प्यार उसे अपने घर से कभी नही मिला इसके अलावा टोपी और इफ्फन की दोस्ती हिंदू - मुस्लिम एकता कोभी बढावा देनेकीप्रेणना देती है टोपी या इफ्फन में से केाई भी जात-पात और धर्म के भेद को नही मानता है इसलिए टोपी की कहानी मेंसे यदि इफ्फन को निकाल दिया जाए तो टोपी की कहानी अधूरी वह जाएगी इसी कारणइफ्फन टोपी की कहानी महत्वपूर्ण हिस्सा है ।

प्रश्न:-2 इफ्फन की दादी अपने पीहर क्योंजाना चाहती थी?

उत्तर:-2 इफ्फन की दादी एक जमींदार की बेटी थी जिसके घर मे दूध - दही की बहुत मौज थी किंतु उसकी शादी एक ऐसे परिवार में हुईजो मौलवी थे और उनके यहॉ खाने - पीने की इतनी अधिक सुविधा नही थी इसके अलावा मौलवियों का घर होने के कारण

वहॉपर पांबदियॉ बहुत ज्यादा थी । इसी कारण इफ्फन की दादी सदैव अपनेपरिवार जाने कोउत्सुक रहती थी ।

प्रश्न:-3 इफ्फन की दादी अपने बेटे की शादी मे गाने -बजाने की इच्छा पूरी क्योंनही कर पाई ?

उत्तर:-3 इफ्फन के दादा और पर दादा दोनो मौलवी थे इसलिए उने यहॉ गाने - बजाने पर प्रतिबंध था इसी कारण इफ्फन की दादी अपने बेटे की शादी मे गाने- बजाने की इच्छा को पूरीनही कर पाई ।

प्रश्न:-4 अम्मी शब्दपर टोपी के घरवालोंकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तर:-4 इफ्फन के घर पर टोपी प्रतिदिन जाया करता थ वहॉ पर उसने ऊर्दू भाषा के कुछ शब्द सीख लिए और एक दिन उसने खाना खाते समय सभी पारीवारिक सदस्यों के सामने अपनी मॉ को अम्मी कहकर पुकारा उसके मुँह से अम्मी शब्द का संबोधन सुनकर सोर घर वाले सदस्य स्तब्ध रह गए सभी के हाथ खाना खाते - खाते रूक गए और सब टोपी की तरफ देखने लगे टोपी की दादीभोजन छोडकर चली गई और उसकी मॉ राम दुलारी ने टोपी को खूब माराटोपी केघर वालोंको अपनी परम्परा की दीवार हिलती हुई दिखाई देनेलगी हमारे विचार से टोपी के परिवार वालों का ऐसा करना उचित नही था क्योंकि भाषा किसी मजहबी दीवार मे बंधकरनहीरह सकती भाषा तो आपसी सदभाव के साथ साथ ज्ञान को बढाने का माध्यम होती है भाषा को किसी विशेष धर्म से जोडना उचित नही कहा जा सकता ।

प्रश्न:-5 दस अक्टूबर सन पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखता है ?

उत्तर:-5 दस अक्टूबर सन पैतालीस का दिन टोपी के अपने इतिहास में विशेष महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन उसके सबसे प्रिय दोस्त इफ्फन के पिता तबादला मुरादाबाद हो गया था और इफ्फन भी उनके साथ मुरादाबाद चला गया टोपी अब बिल्कुल अकेला रह गया था और उसने कसम खाई थी कि आज के बाद वह किसी ऐसे लडके से दोस्ती नही करेगा जिसके पिता की नौकरी मे तबादला होता हो ।

प्रश्न:-6 टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही ?

उत्तर:-6 टोपी की दादी टोपी को बिल्कुल भी प्यार नही करती थी वह उसे बात - बात पर डॉटा करती थी इसलिए उसे अपनी दादी से बहुत नफरत थी जबकि इफ्फन की दादी उसे उतना ही प्यार करती थी जितना प्यार वह इफ्फन से किया करती थी इसलिए टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने वाली बात कही ।

प्रश्न:-7 पूरे घर मे इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था ?

उत्तर:-7 इफ्फन को पूरे घर मे अपनी दादी से ही विशेष् प्रेम था क्योंकि उसकी अम्मी और बाजी उसे डॉट मार लिया करती थी उसके पिता भी कभी - कभी उस पर अपना फैसला सुना देते थे केवल दादी ही ऐसी थी जिसने कभी उसका दिल नही दुखाया और दादी रात मे उसे कहानियॉ भी सुनाती थी इसलिए इफ्फन को उनसे बहुत प्रेम था ।

प्रश्न:-8 इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका हार खाली सा क्यों लगा ?

उत्तर:-8 टोपी इफ्फन के घर उसकी दादी से मिलने के लिए ही जाता था दादी के पास बैठना उसने बाते करना टोपी को बहुत अच्छा लगता था वह इफ्फन का घर सूना - सूना लगने लगा यह सही है जिसे हम विशेष प्रेम करते हे और अगर वह कही चला जाए तो हमें सारा संसार सूना सूना लगने लगता है चाहे फिर लॉखों लोग हमारे सामने हो तो भी हमे उस व्यक्ति की कमी ज्यादा महसूस होती है

प्रश्न:-9 टोपी और इफ्फन की दादी अलग अलग मजहब और जाती के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बॉधे थे इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिण् ।

उत्तर:-9 जब से इफ्फन के दादा जी का देहांत हो गया तब से इफ्फन की दादी घर मे बहुत अकेलापन महसूस करती थी घर के किसी भी व्यक्ति को उनके पास बैठने और बात करने की फुरसत नही थी दूसरी तरफ टोपी को भी उसके घर मे कोई प्यार नही करता था उसकी दादी सुभद्रादेवी उसे बात बात पर डॉटती रहती थी तथा दोनो भाई हमेशा उसे परेशान करने और पिटवाने के चक्कर मे लगे रहते थे ऐसे मे टोपी अपने घर मे अकेलापन महसूस करता था लेकिन जब से वह इफ्फन् के घर गया तो उसका अकेलापन दूर हो गया इफ्फन की दादी और टोपी दोनो घंटो बाते करते थे दोनों ने एक दूसरे की कमी को दूर कर दिया जबकि दोनो अलग अलग मजहब और जाति के थे

लेकिन प्रेम के सामने ये सारी बाते ये सारे ये बंधन फीके पड जाते है इसी कारण इफ्फन की दादी और टोपी दोनो एक अनजान और अटूट रिश्ते से बंध गए थे जबकि एक 72 सारल की बूढी औरत थी और दूसरा 8 साल का छोटा बच्चा ।

प्रश्न:-10 टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया । बताइए -

(क) जहीन होने बसवजूद भी कक्षा मे दो बार फेल होने के क्या कारण थे ?

उत्तर:- यघपि टोपी शुक्ला एक बुद्धिमान बच्चा था फिरभी वह एक ही कक्षा में दो बार फेल हुआ । इसकेकई कारण थे

- घर मे उसे कोर्द पढने ही नही देता था वह जब भी पढने बैठता उसकी मॉ को बाजार से कोई ऐसी चीज मँगवानी पड जाती जो नौकरो से नही मँगवाई जा सकती थी यदि मॉ नही कुछ मँगवाती तेा बहुत भाई मुन्नी बार उसे किसी न किसी काम से पढने से उठा देता और यदिये सब भी नही होता तो जैसे ही वह किताबे कॉपियॉ खोलता उसे पता चलता कि उसकी किताब और कॉपियों के पन्ने फाड- फाडकर हवाई जहाज बनाकर उठा दिये है ।
- दूसरे साल टज्ञेपी शुक्ला केा टाइफाइड हो गया जिसके कारण वह पड नही पाया और फेल हो गया ।

(ख) एक ही कक्षा मे दो बार बैठने से टोपी की भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पडा ?

उत्तर:- एक ही कक्षा मे दो बार बैठने पर टोपी को अनेक भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पडा उसके साथ पढने वाले मित्र उससे आगे निकल गए और उसे अपने से कम आयु के लडको के साथ बैठना पडा जिनमें से कोई भी टोपी से दोस्ती करने को तैयार नही होता था कक्षा के सभी बच्चे उसका मजाक उडाते थे उसके स्कूल के अध्यापक भी उसे बुद्धू समझते थे वे दूसरे छात्रों को टोपी का उदाहरण देकर कहतेथे कि यदि पढोगे नही तो टोपी कर तरह इसी कक्षा में दुबारा टिके रहोगे टोपी केा बडा अपमान जनक लगता था अध्यापक टोपी की तरफ कोई ध्यान नही देते थे कि तुम कक्षा के बच्चे भी उसका मजाक उडाते हुए कहते थे कि तुम कक्षा 9 के बच्चों से दोस्ती करें क्योंकि तुम्हे अगले साल उन्ही के साथ बैठना है हम तो पास होकर अगली कक्षा मे चले जॉएगे इन सभी बातों को सुनकर टेापी बहुत व्याकुल हो जाता था ।

(ग) टोपी की भावात्मक परेशानियों केा महेनतर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए ?

उत्तर:- जब टोपी शुक्ला का प्रियमित्र इफ्फन के पिता का तबादला हो गया तेा दोनो मित्रों को अलग हो जाना पडा टोपी शुक्ला पर इसकार प्रतिकूल प्रभाव पडा उसका पढाई में बिल्कुल मन नही लगता था विघालय के मास्टर भी उसकी तरु ध्यान नही देते थे और मौका मिलते ही उसका मजाक उडाने लगते थे कक्षा के अन्य विघार्थी भी उसके साथ दोस्ती रखना नही चाहते थे इस प्रकार

उसके साथ कक्षा में भावात्मक शोषण किया जा रहा था शिक्षकों के द्वारा ऐसा व्यवहार हर तरह से अनुचित है कोई भी विघार्थी किसी भी स्तर पर अगर असफल हो रहा है वो इसके पीछै उसका मानसिक व्यवहारिक और पारिवारिक कारण भी हो सकता है शिक्षकेा को पहले उन कारणों का पता लगाना चाहिए और फिर छात्र से निजी तौर पर बात करनी चाहिए तथा उसका उत्साह बढाना चाहिए कक्षा में किए गए रचनात्मक और प्रयोगात्मक कार्यो के आधार पर भी विघार्थी का मूल्यांकन करना चाहिए ।

प्रश्न:-11 इफ्फन की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया ?

उत्तर:-11 1947 में जब भारत - पाकिस्तान का विभाजन हुआ तो बहुत से लोग भारत में आ गए । वे लोग जो अपनी जायदाद जिस देश में छोड़ आए उस पर वहॉ की तत्कालीन सरकार का कब्जा हो गया था । इसी के तहत इफ्फन की दादी के मायके वाले भी अपना लखनऊ वाला घर छोड़कर पाकिस्तान में करावची नामक शहर में बस गए थे । उनके लखनऊ वाले घर पर भारत सरकार का कब्जा हो गया था । इसलिए लेखक ने लिखा था, कि इफ्फन की दादी का घर कस्टोडियन में चला गया था।